



Sanidhya Singh



Vanshika Kunwar

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121760901

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
22-23/08/2014 :	जन्म तिथि	: 6-07/11/2017
शुक्र-शनिवार :	दिन	: सोम-मंगलवार
घंटे 05:32:00 :	जन्म समय	: 00:17:00 घंटे
घटी 58:35:59 :	जन्म समय(घटी)	: 44:17:16 घटी
India :	देश	: India
Indore :	स्थान	: Indore
22:42:00 उत्तर :	अक्षांश	: 22:42:00 उत्तर
75:54:00 पूर्व :	रेखांश	: 75:54:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:24 :	स्थानिक संस्कार	: -00:26:24 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:05:36 :	सूर्योदय	: 06:34:05
18:52:35 :	सूर्यास्त	: 17:45:57
24:03:49 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 24:06:10
कर्क :	लग्न	: कर्क
चन्द्र :	लग्न लग्नाधिपति	: चन्द्र
कर्क :	राशि	: वृष
चन्द्र :	राशि-स्वामी	: शुक्र
पुष्य :	नक्षत्र	: मृगशिरा
शनि :	नक्षत्र स्वामी	: मंगल
2 :	चरण	: 1
व्यतिपात :	योग	: शिव
वणिज :	करण	: विष्टि
हे-हेमन्त :	जन्म नामाक्षर	: वे-वैशाली
सिंह :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: वृश्चिक
विप्र :	वर्ण	: वैश्य
जलचर :	वश्य	: चतुष्पाद
मेष :	योनि	: सर्प
देव :	गण	: देव
मध्य :	नाड़ी	: मध्य
मेष :	वर्ग	: मृग

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

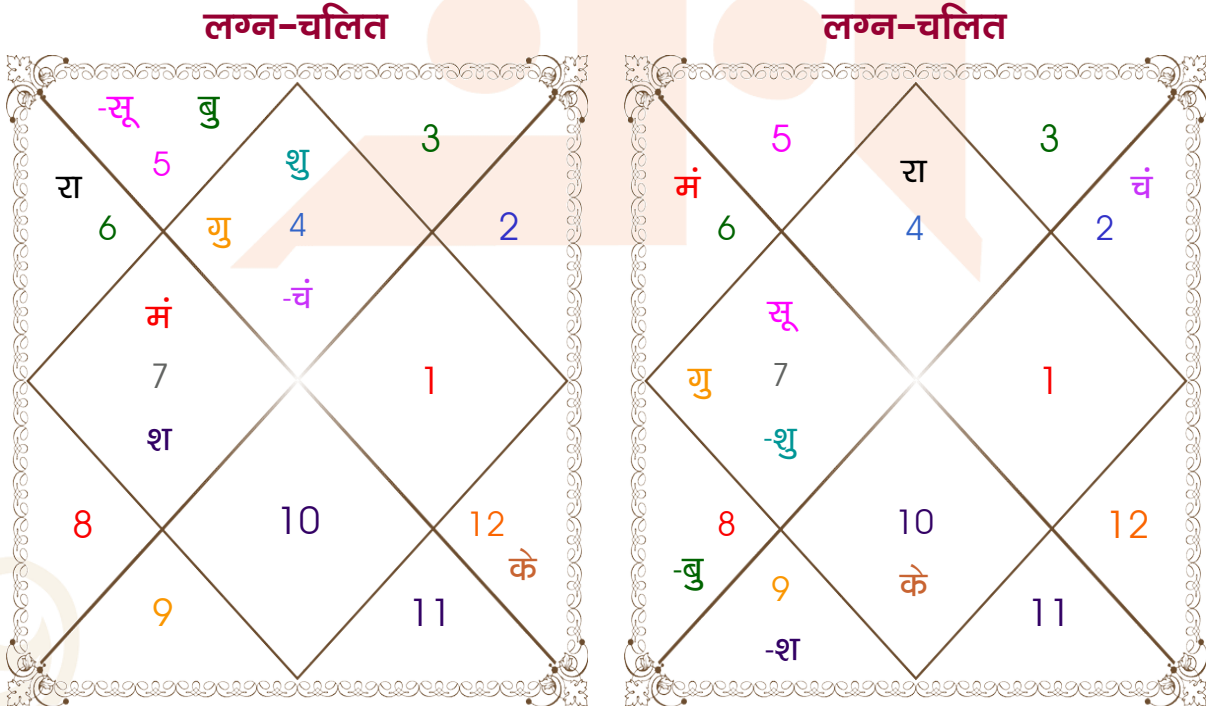
विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 13वर्ष 0मा 8दि	27:19:21	कर्क	लग्न	कर्क	23:54:34	मंगल 5वर्ष 6मा 29दि
शनि	05:44:46	सिंह	सूर्य	तुला	20:26:38	राहु
23/08/2014	07:31:38	कर्क	चंद्र	वृष	26:02:21	06/06/2023
01/09/2027	21:52:27	तुला	मंगल	कन्या	15:22:26	06/06/2041
00/00/0000	19:16:50	सिंह	बुध	वृश्चि	07:18:58	राहु 17/02/2026
23/08/2014	14:12:04	कर्क	गुरु	तुला	11:49:08	गुरु 12/07/2028
केतु 23/06/2015	19:02:13	कर्क	शुक्र	तुला	05:01:04	शनि 19/05/2031
शुक्र 22/08/2018	23:27:35	तुला	शनि	धनु	01:03:47	बुध 06/12/2033
सूर्य 04/08/2019	27:48:46	कन्या व	राहु व	कर्क	25:43:03	केतु 24/12/2034
चन्द्र 04/03/2021	27:48:46	मीन व	केतु व	मक	25:43:03	शुक्र 24/12/2037
मंगल 13/04/2022	22:02:50	मीन व	हर्ष व	मेष	01:42:00	सूर्य 18/11/2038
राहु 17/02/2025	12:18:08	कुंभ व	नेप व	कुंभ	17:26:01	चन्द्र 18/05/2040
गुरु 01/09/2027	17:09:50	धनु व	प्लूटो	धनु	23:07:36	मंगल 06/06/2041

व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : माध्य

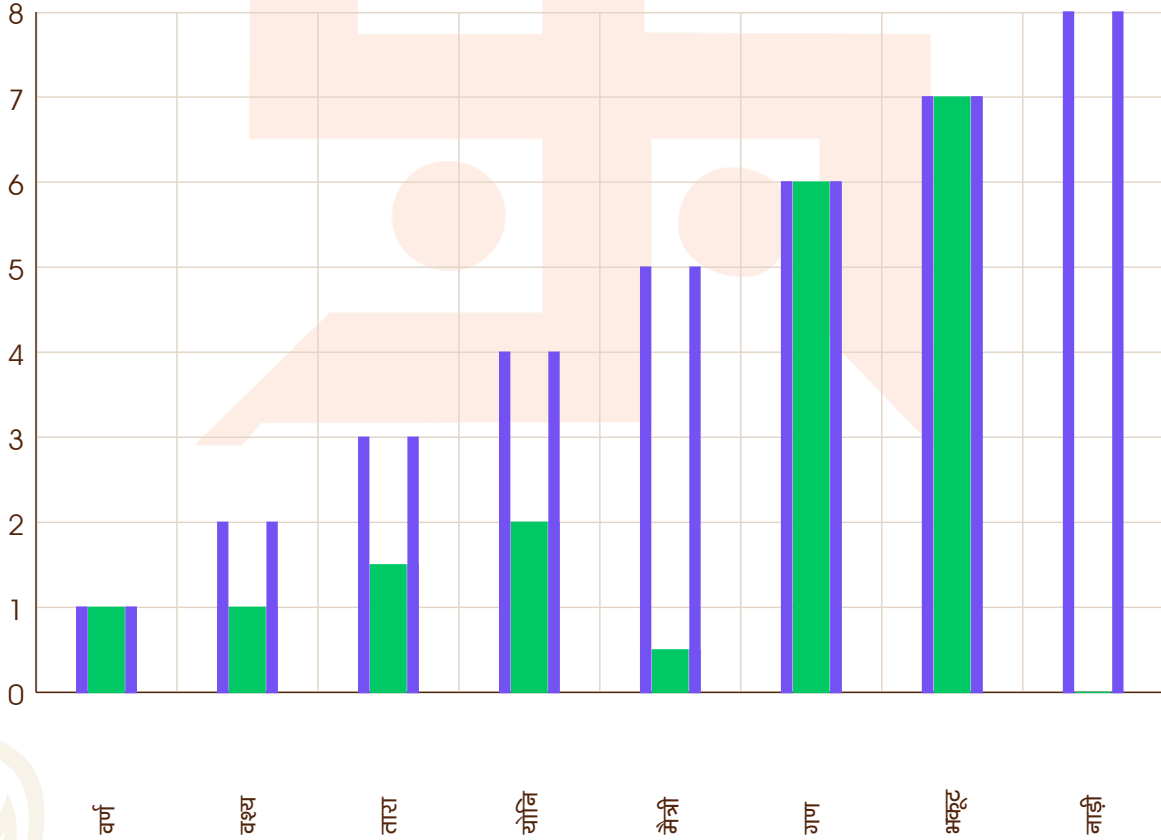
24:03:49 चित्रपक्षीय अयनांश 24:06:10



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मेष	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाडी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.00		

कुल : 19 / 36



अष्टकूट मिलान

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Sanidhya Singh का नक्षत्र पुष्य है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Vanshika Kunwar का नक्षत्र मृगशिरा है।

Sanidhya Singh का वर्ग मेष है तथा Vanshika Kunwar का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Sanidhya Singh और Vanshika Kunwar का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Sanidhya Singh मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

सबले गुरौ भृगौ वा लग्ने द्यूनेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि बली गुरु और शुक्र स्वराशि या उच्च होकर लग्न या सप्तम भाव में हों तो मंगल का दोष नहीं होता है।

क्योंकि गुरु और शुक्र Sanidhya Singh कि कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Vanshika Kunwar मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Vanshika Kunwar कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Sanidhya Singh तथा Vanshika Kunwar में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

PT. Vishwas Dubey

HATOD DIST INDORE MP

9977779700

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Sanidhya Singh का वर्ण ब्राह्मण तथा Vanshika Kunwar का वर्ण वैश्य है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। Vanshika Kunwar सदैव अपने पति तथा घर में बड़ों का सम्मान करेगी तथा उनकी आज्ञा का पालन करती रहेंगी। Vanshika Kunwar मितव्ययी होंगी तथा बचत करके पैसे को लाभदायक उपादानों में निवेश करती रहेंगी।

वश्य

Sanidhya Singh का वश्य जलचर है एवं Vanshika Kunwar का वश्य चतुष्पद है। अतः यह मिलान औसत मिलान ही है। जलचर एवं चतुष्पद सामान्यतः एक-दूसरे के लिए सम हैं। दोनों के बीच न ही प्रेम की भावना होगी और न ही शत्रुता तथा दोनों का प्रकृति में स्वतंत्र अस्तित्व रहेगा। कुंडली मिलान में दोनों के दृष्टिकोण, सोच एवं व्यवहार में पूर्णतः भिन्नता रहते हुए भी विवाह को स्वीकृति प्रदान की गयी है क्योंकि दोनों एक-दूसरे को किसी प्रकार का नुकसान नहीं पहुंचाएंगे तथा अपने-अपने तरीके से अपने कर्तव्यों एवं दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे।

तारा

Sanidhya Singh की तारा क्षेम तथा Vanshika Kunwar की तारा वध है। Vanshika Kunwar की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसे में यह विवाह Sanidhya Singh एवं Vanshika Kunwar दोनों के लिए दुर्भाग्य के द्वार खोल सकता है। Vanshika Kunwar अपने पति एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्यशाली साबित हो सकती है। अतः संभव है कि घर में निरंतर दुःखदायी घटनाओं का क्रम चलता रहे। जिससे घर में दुःख एवं पीड़ा के वातावरण का निर्माण हो सकता है। ऐसी स्थिति में बच्चे भी काफी कष्ट भुगत सकते हैं तथा सफलता प्राप्ति के लिए उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है।

योनि

Sanidhya Singh की योनि मेष है तथा Vanshika Kunwar की योनि सर्प है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात् सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा

भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात् मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात् धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Sanidhya Singh का राशि स्वामी Vanshika Kunwar के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि Vanshika Kunwar का राशि स्वामी Sanidhya Singh के राशि स्वामी के साथ शत्रु का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए सम किंतु दूसरा उसे शत्रु मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

Sanidhya Singh का गण देव तथा Vanshika Kunwar का गण भी देव है। अर्थात् दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं संवेदनशील स्वभाव के होंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के अति अनुकूल होंगे तथा एक-दूसरे का काफी ख्याल रखने वाले होंगे। ऐसी स्थिति में वैवाहिक संबंध के उपरांत शांति, सुख, खुशहाली एवं समृद्धि हमेशा कदम चूमती रहेगी।

भकूट

Sanidhya Singh से Vanshika Kunwar की राशि एकादश भाव में स्थित है तथा Vanshika Kunwar से Sanidhya Singh की राशि तृतीय भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Sanidhya Singh परिश्रमी, प्रिय, खुश तथा अपना हर कार्य को उत्साह से संपादित करने वाले होंगे। वह अपने परिवार, पड़ोसियों तथा पूरे समाज की आंखों का तारा होंगे। उनके अपनी पत्नी के साथ उसके संबंध अति मधुर होंगे। दूसरी ओर Vanshika Kunwar हर गुण से परिपूर्ण होगी तथा पति के लिए सदैव सहायक होंगी। वह स्वयं भी व्यावसायिक गतिविधियों में लिप्त रहकर धन कमायेंगी। तथा घर के प्रबंधन में महत्वपूर्ण योगदान देंगी। साथ ही भविष्य के लिए बचत भी करती रहेंगी।

नाड़ी

Sanidhya Singh की नाड़ी मध्य है तथा Vanshika Kunwar की नाड़ी भी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान हैं, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। यदि पति-पत्नी की समान नाड़ी मध्य ही होगी तो पति अथवा पत्नी में से किसी की मृत्यु की संभावना होती है। ऐसी स्थिति में Sanidhya Singh एवं Vanshika Kunwar का विवाह अति घातक हो सकता है। आपकी संतान कमजोर, डरपोक, मानसिक रूप से असंतुलित, मानसिक बीमारी से ग्रस्त हो सकती हैं। अतः ऐसा विवाह पूर्णतः त्याज्य है।



मेलापक फलित

स्वभाव

Sanidhya Singh की जन्मराशि जलतत्व कर्क तथा Vanshika Kunwar की राशि भूमितत्व युक्त वृष है। जल एवं भूमि तत्व के मध्य नैसर्गिक रूप से मित्रता का भाव रहता है। इसके प्रभाव से Sanidhya Singh और Vanshika Kunwar के मध्य स्वाभाविक समानताएं रहेंगी। अतः वे परस्पर प्रेमपूर्वक रहकर अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

Sanidhya Singh की राशि का स्वामी चन्द्रमा तथा Vanshika Kunwar की राशि का स्वामी शुक्र परस्पर शत्रु एवं समराशियों में पड़ते हैं। अतः इसके प्रभाव से Sanidhya Singh और Vanshika Kunwar के मध्य संबंधों में मित्रता के भाव की अल्पता रहेगी तथा कटुता एवं मतभेदों की प्रबलता रहेगी। साथ ही एक दूसरे के गुणों की उपेक्षा करेंगे तथा कमियों पर विशेष ध्यान देकर विवाद तथा मतभेदों में वृद्धि करेंगे जिससे दाम्पत्य जीवन के सुख में न्यूनता का आभास होगा।

Sanidhya Singh एवं Vanshika Kunwar की राशियां परस्पर एकादश एवं तृतीय भाव में पड़ती हैं। यह एक शुभ भकूट है जिसके प्रभाव से परस्पर सुख सहयोग एवं स्नेह के भाव में वृद्धि होगी तथा उपरोक्त अशुभ प्रभावों में भी न्यूनता का भाव रहेगा। Vanshika Kunwar एक आत्मविश्वासी महिला होगी तथा Sanidhya Singh का नैतिक सहयोग उनको हमेशा मिलता रहेगा इसके परस्पर विवादों में न्यूनता आएगी तथा प्रसन्नतापूर्वक अपना दाम्पत्य जीवन व्यतीत करने में समर्थ रहेंगे।

Sanidhya Singh का वश्य जलचर तथा Vanshika Kunwar का वश्य चतुष्पद है। सामान्यतया जलचर एवं चतुष्पद में नैसर्गिक रूप से समता एवं मित्रता का भाव होता है। अतः Sanidhya Singh और Vanshika Kunwar की अभिरुचियों में समानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकताएं समान रहेंगी। जिससे दोनों एक दूसरे को कामभावनाओं में भी सन्तुष्ट एवं प्रसन्न रखने में सफल होंगे

Sanidhya Singh का वर्ण ब्राह्मण तथा Vanshika Kunwar का वर्ण वैश्य है। Sanidhya Singh की रुचि शैक्षणिक सामाजिक तथा धार्मिक कार्यों के प्रति रहेगी परन्तु Vanshika Kunwar हमेशा धनार्जन संबंधी कार्य करेगी तथा व्यापारिक बुद्धि से अपने कार्यों को सम्पन्न करने में प्रवृत्त रहेगी।

धन

Sanidhya Singh और Vanshika Kunwar की तारा एक दूसरे के लिए सम रहेगी। अतः इसका आर्थिक स्थिति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा तथा सामान्य रूप से धन तथा लाभ प्राप्त करने में दम्पति सफल होंगे। Sanidhya Singh एवं Vanshika Kunwar की राशि परस्पर तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से Sanidhya Singh और Vanshika Kunwar की आर्थिक स्थिति में सुदृढ़ता तथा सम्पन्नता में वृद्धि होगी तथा मंगल का प्रभाव भी शुभ ही रहेगा। अतः आय स्रोतों में वृद्धि होगी।

Sanidhya Singh को लाटरी या सट्टे आदि के द्वारा अचानक धन की प्राप्ति हो सकती है या किसी अन्य स्रोत से एक साथ प्रचुर मात्रा में लाभ के योग बनेंगे। इस प्रकार Sanidhya Singh और Vanshika Kunwar धनऐश्वर्य से युक्त होकर अपना समय व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

स्वास्थ्य

Sanidhya Singh और Vanshika Kunwar दोनों की नाड़ी मध्य है। अतः इसके प्रभाव से इनको समय समय पर स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। इससे Sanidhya Singh और Vanshika Kunwar दोनों को उदर संबंधी कष्ट होगा तथा लीवर से संबंधित परेशानियां भी समय समय पर होती रहेंगी। वे अपच आदि से भी असुविधा की अनुभूति करेंगे। साथ ही मंगल का दुष्प्रभाव Vanshika Kunwar के स्वास्थ्य पर रहेगा इसके प्रभाव से इनको धातु या गुप्त रोग अथवा मासिक धर्म संबंधी परेशानियां रहेंगी। अतः नाड़ी दोष एवं मंगल के अशुभ प्रभाव के कारण ऐसे मिलान की उपेक्षा करनी चाहिए। तथापि उपरोक्त दुष्प्रभाव को कम करने के लिए हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास करना शुभ रहेगा।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Sanidhya Singh और Vanshika Kunwar का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Sanidhya Singh और Vanshika Kunwar के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Vanshika Kunwar के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Vanshika Kunwar को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Vanshika Kunwar को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Sanidhya Singh और Vanshika Kunwar सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Sanidhya Singh और Vanshika Kunwar का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Vanshika Kunwar के सास से संबंधों में मधुरता के भाव की सामान्यतया न्यूनता ही

रहेगी तथा अपनी सास के साथ सामंजस्य स्थापित करने में उनको काफी कठिनाई तथा असुविधा का सामना करना पड़ेगा। अतः उनसे संबंधों में मधुरता लाने के लिए Vanshika Kunwar को धैर्य तथा बुद्धिमता का परिचय देना चाहिए तथा अपने समस्त कार्य कलापों को सक्रियता से सम्पन्न करना चाहिए।

साथ ही ससुर से भी Vanshika Kunwar को समय समय पर समस्याएं उत्पन्न होंगी तथा उन्हें प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में उन्हें कठिनाई का सामना करना पड़ेगा। ननद एवं देवरों से भी Vanshika Kunwar के संबंधों में तनाव का भाव रहेगा तथा एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सहानुभूति के भाव में न्यूनता रहेगी फलतः परस्पर प्रतिद्वन्दिता एवं आलोचना का भाव रहेगा।

इस प्रकार Vanshika Kunwar का ससुराल के लोगों से अच्छे संबंध नहीं रहेंगे जिससे यदा कदा वे असुविधा की अनुभूति कर सकती हैं।

ससुराल-श्री

Sanidhya Singh की सास से संबंधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबंधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर Sanidhya Singh सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन Sanidhya Singh ससुर के साथ मधुर संबंधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबंध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों का Sanidhya Singh के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबंध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।